

COMMITTEE ON THE WORKING OF
GOVERNMENT HOSPITALS IN DELHI

+

*367. SHRI S. M. BANERJEE :

SHRIMATI SUSEELA GO-
PALAN :

SHRI HARDAYAL DEVGUN :

SHRI DHIRESWAR KALITA :

SHRI A. K. GOPALAN :

SHRI MAYAVAN :

SHRI UMANATH :

SHRI BEDABRATA
BARUA :

SHRI N. K. SANGHI :

SHRI RAM AVTAR
SHARMA :

SHRI SHIV KUMAR SHAS-
TRI :

SHRI RAGHUVIR SINGH
SHASTRI :

DR. SURYA PRAKASH PURI :

SHRI Y. S. KUSHWAH :

SHRI RAMJI RAM :

SHRI KANWAR LAL GUPTA :

Will the Minister of HEALTH,
FAMILY PLANNING AND URBAN
DEVELOPMENT be pleased to state :

(a) whether Government have ap-
pointed a committee to enquire into the
functioning of the Government hospitals
in Delhi;

(b) if so, its terms of reference;

(c) when the first meeting of the
committee is likely to be held; and

(d) when the report is likely to be
submitted?

THE DEPUTY MINISTER IN THE
MINISTRY OF HEALTH, FAMILY
PLANNING AND URBAN DEVE-
LOPMENT (SHRI B. S. MURTHY) :

(a) Yes, Sir.

(b) The Committee shall review the
working of the Central Government

Hospitals in New Delhi and make re-
commendations for improvement in the
existing facilities for medical, surgical
and specialist care therein.

(c) 4th December, 1967.

(d) The Committee has been asked to
submit its report within 6 weeks.

SHRI S. M. BANERJEE: On a pre-
vious occasion when we were discussing
the death of Dr. Ram Manohar Lohia
and the failure of the hospital staff, we
were assured by the hon. Prime Minister
that some non-officials, eminent mem-
bers of this House who are doctors,
would be associated with this Committee.
Have some members of this House also
been associated with this Committee?

SHRI B. S. MURTHY : Yes, the
name of Dr. D. S. Raju, MP, has been
added.

श्री सद्य लिमये : कोई गैर-सरकारी आदमी
भी नहीं ?

SHRI B. S. MURTHY : From Bom-
bay, we have added the name of Dr.
Shantilal J. Mehta, FRCS., Bombay
Surgeon.

SHRI S. M. BANERJEE: I am sure
that with Shri Satya Narayana Sinha be-
coming the Health Minister, the health
of this country is in the hands of a
healthy, wealthy and wise Minister.

MR. SPEAKER : Come to the ques-
tion now.

SHRI S. M. BANERJEE : My ques-
tion is this, whether this committee will
also collect some other information or
evidence from the public, because the
grouse is actually on behalf of the pub-
lic, whether they will invite public evi-
dence also?

THE MINISTER OF STATE IN
THE MINISTRY OF HEALTH,
FAMILY PLANNING AND URBAN
DEVELOPMENT (DR. S. CHAND-
RASEKHAR) : We will invite public
men to come forward and give evidence.

SHRI NATH PAI : The Minister
accepted that he is wealthy, he did not
contradict.

MR. SPEAKER : He accepted the compliment.

श्री हरदयाल देवगुण : क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि दिल्ली के सरकारी अस्पतालों के बारे में समाचार पत्रों में बहुत सी शिकायतें प्रकाशित हुई हैं, तथा इनको स्लाटर-हाउस (बूचड़खाने) तक का नाम दिया गया है—ऐसी अवस्था में इन अस्पतालों के कामों की जांच कराने के लिये इस संसद के सदस्यों या दिल्ली के प्रतिष्ठित प्रतिनिधियों को भी इस जांच समिति के साथ जोड़ा जायगा ताकि इस समिति को दिल्ली की जनता की जो शिकायतें हैं, उनका पूरा ज्ञान हो सके ? क्या सरकार इन प्रतिनिधियों को या दिल्ली के संसद सदस्यों को इस समिति से सम्बन्धित करने का विचार करेगी ?

स्वास्थ्य, परिवार नियोजन तथा नगरीय विकास मंत्री (श्री सत्यनारायण सिन्हा) : माननीय सदस्यों ने देखा होगा कि इस कमेटी में सिर्फ कोठारी साहब को छोड़ कर, हालांकि उन्होंने भी इन्कार कर दिया है, क्योंकि उनके पास वक्त नहीं है, शेष सभी मैडिकल मैन रखे गये हैं। यह कमेटी अस्पतालों की हालत को देखेगी, वहां किस चीज की जरूरत है—एक ले-मैन को इन सब बातों का ज्ञान नहीं होता है। फिर दिल्ली के प्रतिनिधि या संसद सदस्य कमेटी के सामने कोई चीज लाना चाहें, तो ला सकते हैं और उस को देखा जा सकता है।

SHRI BEDABRATA BARUA : The hon. Minister has just stated that only medical men are included in the committee, but the allegations that have been frequently made in the House include such things as negligence and cold reception given to even people who deserve to be treated better. So, will the Minister inform this House whether in view of that, not only medical men, but also other people would be included in the committee, and also evidence from the side of the general public, not just selected public men but people who have experience of going to hospitals and being treated badly, will also be taken?

SHRI SATYA NARAYAN SINHA : We say public evidence will be taken,

L88LSS/67—2

certainly all people will be included, whatever they have to say by way of grievances. The committee consists of 9 members, we do not want to make it a big committee which will not function.

श्री रघुबीर सिंह शास्त्री : श्रीमन्, दिल्ली के अस्पतालों पर सिर्फ दिल्ली शहर के बीमारों का बोझ नहीं है, बल्कि 100 मील के चारों तरफ के इलाकों के पेशेंट भी यहां आते हैं। इस स्थिति को देखते हुये क्या सरकार कोई ऐसी स्थायी समिति बनायेगी जो हमेशा इन अस्पतालों के कामों को, इन के इन्तजाम को, इन में उत्पन्न होने वाली दिक्कतों को दूर करने के लिये काम करती रहे ?

श्री सत्यनारायण सिन्हा : माननीय सदस्य को शायद मालूम न हो, हम ने एक स्टडी-ग्रुप बनाया है, जिसके चेयरमैन ए. पी. 0 जैन साहब हैं, उन की रिपोर्ट फरवरी के पहले या दूसरे सप्ताह में आ जायेगी। वह सब चीजों को देख रहे हैं, उस कमेटी की रिपोर्ट में यदि कोई ऐसी सिफारिश आई कि हम लोग कोई स्थायी कमेटी बनायें, तो उस पर जरूर विचार किया जायगा।

श्री यशवन्त सिंह कुराबाह : क्या माननीय मंत्री जी यह बताने की कृपा करेंगे कि दिल्ली के अस्पतालों में गरीब मरीजों और अमीर मरीजों में जो भेद-भाव किया जाता है, उसके बारे में भी यह समिति विचार करेगी ?

श्री सत्यनारायण सिन्हा : सभी बातों की जांच होगी।

श्री कंबरलाल गुप्त : यह अच्छी बात है कि आपने इस कमेटी को बनाया। इस कमेटी के दो काम होंगे—एक तो यह कि डाक्टरों के मैडिकल प्वाइन्ट आफ व्यू से यहां पर क्या-क्या दिक्कतें हैं, उनकी जांच की जायगी, दूसरे किन-किन चीजों की कमी है, उस को देखा जायगा। लेकिन दिल्ली के लोगों की जो सब से बड़ी शिकायत है—वह इस बात की है कि आपने पैसा भी खर्च किया हुआ है, वहां पर एपरेटस भी मौजूद हैं, बड़े-बड़े डाक्टरों को

भी वहाँ बैठा रखा है, लेकिन उन का जो एटी-चूड मरीजों के लिये है, वह बड़ा कैलस है, क्रिम्पल नैगलीजेन्स का है, वहाँ पर करप्शन है और जैसा कि अभी एक माननीय सदस्य ने पूछा कि आपने दिल्ली के किसी भी लोक सभा सदस्य को नहीं लिया, उस के जवाब में आपने यह कहा कि वे भी अपनी बातों को कमेटी के सामने रख दें। ऐसी हालत में जब हम लोग, जो दिल्ली के हैं, अपनी बातों को उनके सामने रखेंगे तो जो डाक्टर अफसर हैं, वे ही हमारी बातों का फंसला करेंगे—यह कोई अच्छी बात नहीं है।

में मंत्री महोदय से दो सवाल पूछना चाहता हूँ—क्या दिल्ली के लोक सभा के कुछ सदस्यों को उस कमेटी में लिया जायगा, ताकि दिल्ली के लोगों की जो तकलीफें हैं, उन के बारे में निर्णय लेने में उन का भी हिस्सा हो, दूसरे—क्या इस कमेटी का चेयरमैन किसी नान-आफिशियल को बनायेंगे ?

श्री सत्यनारायण सिन्ह : टैक्नीकली हमने उस में चेयरमैन डाइरेक्टर जनरल आफ हेल्थ सर्विसेज को बनाया है, लेकिन वैसे उस में सभी नान-आफिशियल हैं और अच्छे आदमी हैं, वे आपकी इन शिकायतों को जरूर सुनेंगे। यह कमेटी 9 आदमियों की बन गई है, अब इस को और बढ़ायेंगे तो काम नहीं होगा।

श्री कंबरलाल गुप्त : यह ठीक है कि वे हमारी बातों को सुनेंगे, लेकिन उनके बारे में फंसला तो वे अफसर ही करेंगे। आपने दिल्ली के बारे में यह पहली कमेटी बनाई है, लेकिन दिल्ली का आपने इस में किसी को नहीं रखा।

श्री रवि राय : जब डा० लोहिया की चिकित्सा के बारे में बहस हो रही थी, तब हम को इस कमेटी के बारे में बताया गया और कहा गया था कि इस का चेयरमैन डाइरेक्टर आफ हेल्थ सर्विसेज होगा। डाइरेक्टर आफ हेल्थ सर्विसेज तो एक आफिशियल हैं और वह इस मामले में खुद दोषी हैं। मैं माननीय मंत्री से पूछना चाहता हूँ कि क्या आप किसी नान-आफिशियल आदमी को, जिस पर जनता

को विश्वास है इस कमेटी का चेयरमैन बनायेंगे ? आप डाइरेक्टर आफ हेल्थ सर्विसेज को ही इस का चेयरमैन बनाने की जिद क्यों कर रहे हैं, वे तो खुद इसमें दोषी हैं ?

श्री सत्यनारायण सिन्ह : डाइरेक्टर जनरल आफ हेल्थ सर्विसेज तो देश के समूचे अस्पतालों का डाइरेक्टर जनरल होता है, इसके अलावा वह दो महीने बाद रिटायर भी हो रहे हैं—इस लिये इसमें ऐसी कोई खास बात नहीं है।

श्री बलराज मधोक : दिल्ली के जितने अस्पताल हैं, इस समय वे एक क्षेत्र में केंद्रित हैं, जब कि दिल्ली का क्षेत्र बहुत फैल रहा है। दिल्ली की आबादी पुरानी दिल्ली से फैल कर कई मीलों तक पहुंच चुकी है और उन क्षेत्रों में कोई अस्पताल नहीं है। क्या यह कमेटी यह भी विचार करेगी कि दिल्ली की जनता को यूनीफार्म मैडिकल फैसिलिटीज हम किस प्रकार दे सकते हैं ? दूसरे—दिल्ली के अन्दर एक सब से बड़ी दिक्कत यह है कि जब किसी अस्पताल में कोई मरीज जाता है तो उसके साथ ठीक सलूक नहीं होता है और कभी कभी मैडिकल मर्डर भी हो जाता है, लेकिन गरीब आदमियों के पास कोई साधन नहीं है कि शिकायत करें और उनकी सुनवाई हो। क्या आप कोई ऐसी मैशीनरी भी तैयार करेंगे कि जिसमें उन की सुनवाई हो और जो उन का रिड्रेस करे।

श्री सत्यनारायण सिन्ह : जो स्टडी ग्रुप बनाया है, उस में यह बात भी आयेंगी। उस के बाद जहाँ तक अस्पताल खोलने की बात है, उस पर हम और आप बैठ कर विचार कर सकते हैं।

श्री क० कृ० नायर : क्या मंत्री महोदय सदन के सामने उस कमेटी की टर्मज आफ-रेफ्रेन्स रखेंगे ? जितने सवाल यहाँ हुए हैं, उसका कारण यह है कि सदन को कोई जानकारी नहीं है कि उस कमेटी की टर्मज आफ-रेफ्रेन्स क्या हैं ?

MR. SPEAKER: He has already given.

SHRI NATH PAI : May I draw the minister's attention to the fact that it is not his ministry which is principally guilty so far as the present deplorable conditions in Delhi hospitals are concerned? The two major culprits escaping the attention of the House and the public are the Finance Ministry and the CPWD. It is the stinginess of the Ministry of Finance in providing adequate fund to these hospitals which is resulting in out-dated and obsolete equipments being used. I do not know, Mr. Speaker, if you have had the benefit of being admitted (*Interruption*). I once took the risk and hazard, after a heart attack, because I could not have been flown to Bombay. I must say that all human attention was paid—it would be unfair if I do not say that. But I am telling about the needle. Normally the custom in America and Europe is that after a single injection the needle is discarded. When I began to scream with pain, which I normally do not, I was told that the needle was two years old. This is the kind of equipment that we have in our hospitals. May I know, so far as improving the standard of this hospital is concerned, whether the Finance Minister will have a fresh look at it and the Central P.W.D. will refrain from coming in the way so that the hospital is modernised with modern architects and engineers being allowed to have their say?

THE DEPUTY PRIME MINISTER AND MINISTER OF FINANCE (SHRI MORARJI DESAI) : May I say that the Finance Ministry has never come in the way of making the hospital properly equipped and it will never come in the way.

THE MINISTER OF WORKS, HOUSING AND SUPPLY (SHRI JAGANATH RAO) : The Central P.W.D. also do not come in the way.

SHORT NOTICE QUESTION

FIRE IN DELHI

6. SHRI KANWAR LAL GUPTA : Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) the loss of property and life

caused as a result of a fire on the 17th November, 1967 in Chandni Chowk, Delhi;

(b) whether Government propose to make an inquiry about the cause of the fire;

(c) what steps Government propose to take to rehabilitate the sufferers; and

(d) whether Government propose to take steps to prevent such big fires in Delhi?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA) :

(a) The fire took place on the 18th November, 1967 and not on 17th November, 1967. There was no loss of life, but the estimated loss of property is about Rs. 43 lacs.

(b) No, Sir. According to the report of the Chief Fire Officer, Delhi Municipal Corporation who enquired into the matter, the probable cause of fire is accidental due to "dropped light".

(c) The Delhi Municipal Corporation is considering the question of temporary rehabilitation of the shopkeepers and the residents who have been affected by the fire. Plans are also being drawn up for reconstruction of the Naya Katra area where the fire broke out.

(d) A survey is being undertaken by the Delhi Municipal Corporation to ensure that suitable fire precautions are being observed in the other Katras of Chandni Chowk in particular and the remaining areas in general. It is also being ensured by the Corporation that the terms of licences of various traders as and where applicable are being strictly observed.

श्री प्रकाशचौर शास्त्री : अध्यक्ष महोदय, पूर्व इस के गुप्त जी अपना प्रश्न पूछें में कहना चाहता हूँ कि मूल प्रश्न अगर हिन्दी में हो तो सम्बन्धित मंत्री द्वारा उसका उत्तर भी हिन्दी में दिया जाय

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : मूल प्रश्न अंग्रेजी में ही था।